कल्याणी

कल्याणी

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

KALYANI (कल्याणी)
One-Act Play by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-87675-33-9
दाम: 100/- (भा.रु.)

तेसर संस्करण: 2023

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण चित्र: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

समर्पण

मिथिलाक वृन्दावनसँ लऽ कऽ बालुक ढेरपर
बैसल फुलवाड़ी लगौनिहार एवम्
नव विहान अननिहारकेँ
समरपित

पुरुष पात्र-

जेलर-	50 बर्ख।
चन्द्रनाथ-	कल्याणीक भाय, 35 बर्ख।
अनन्त कुमार-	कल्याणीक पिता, 60 बर्ख।
सूर्यदेव-	पढ़ल-लिखल ग्रामीण- 40 बर्ख।
निष्कान्त-	पढ़ल-लिखल ग्रामीण- 35 बर्ख।
क्षितिजदेव-	पढ़ल-खरखल ग्रामीण- 35 बर्ख।

नारी पात्र-

कल्याणी-	पढ़ल-लिखल नवयुवती, 23 बर्ख।
प्रतिज्ञा-	पढ़ल-लिखल नवयुवती, 23 बर्ख।
शान्ति-	कल्याणीक माए। उमेर 55 बर्ख।

पहिल दृश्य-

(जहलक दृश्य। जेलक भीतरसँ जेलर, कल्याणी, प्रतिज्ञा आ दूटा सिपाही निकलैत। फाटकक बाहर आबि कल्याणियोँ आ प्रतिज्ञो पाछू घुरि जहलकेँ निहारि-निहारि देखैए।)

जेलर- अखैन धरि हम जेलर आ अहाँ दुनू गोरे कैदी छेलौं। मुदा आब जहिना अहाँ दुनू गोरे छी तहिना हमहूँ एकटा अदना मनुख छी। जेलक जिम्मेदार होइक नाते कहै छी जे जँ किछु अभाव भेल हुअए ओ बिसैर जाएब। संगे ईहो कहै छी जे पुन: कैदी बनि जहल नै देखी।

कल्याणी- (*मुस्कियाइत*) कहलौं तँ बड़ सुन्नर बात मुदा जैठाम एक्को इंच जमीन नारी लेल सुरक्षित नै अछि तैठाम..?

जेलर- की सुरक्षित?

कल्याणी- सुरक्षित यएह जे नारी लेल स्वतंत्र जिनगी, कल्पनाक सिवा आरो की अछि। जाधैर नारी अपन शक्तिकेँ जगा संघर्ष नै करत ताधैर मनुखक जिनगीसँ उतैर पशुक जिनगी जीबैले बाध्य रहबे करत। तँए जरूरत अछि अपन शक्ति नारी जगत लेल उपयोग करए। जखने आजादी लेल डेग उठौत तखने अहाँक जेल आगू ऐबे करत।

प्रतिज्ञा- केते दिन जहलक डरे नारी अपन स्वतंत्र जिनगीकेँ

बान्हि कऽ रखि सकैए। जेम्हर देखू तेम्हर नारीपर अत्याचारे-अत्याचार जहिना घरक भीतर तहिना घरक बाहर। सगतैर एक्के रामा-कठोला भऽ रहल छै। घरसँ निकैलते केतौ अपहरण तँ केतौ छेड़खानी सदैतकाल होइते रहैए। एहेन स्थितिमे इज्जत-आबरूक संग जीब कहाँ धरि सम्भव अछि।

जेलर- (*मुड़ी डोलबैत*) किछु अंशमे अहाँ कहब मानल जा सकैए।

कल्याणी- (*झपैट कऽ*) किछु अंशमे किए कहै छिऐ हँ, ई बात जरूर जे जहिना सभ मनुखक जिनगी समान नै अछि तहिना अत्याचारोक अछि। मुदा जेहेन माहौल बनल अछि ओइसँ की आभास भेट रहल अछि।

जेलर- (*नमहर साँस छोड़ैत*) खैर, हमर ओकातिये केते अछि जे अहाँक सभ प्रश्नक उत्तर दऽ सकै छी। मुदा एते जरूर आग्रह करब जे पुनः जहलक आँखि नै देखी।

कल्याणी- जँ जहलक डर करब तँ जिनगी केना भेटत। हँ, ई बात जरूर जे छोटसँ छोट आ पैघसँ पैघ सैकड़ो घेराक बीच जहलो एकटा घेरा छी। मुदा ओकरा टपैक तँ दुइए टा उपाय अछि। या तँ कूदि कऽ टपि जाए वा तोड़ि दिअए।

जेलर- (*मुड़ी डोलबैत*) धिया-पुताक खेल नै छी।

कल्याणी- मानै छी जे धिया-पुताक खेल नै छी मुदा अहूँ सुनि लिअ जे जइ पैरुख पाबि नर पुरुख कहबैक अधिकारी बनल अछि ओ सिरिफ पुरुषेक नै नारीक सेहो धरोहर सम्पदा छी। अखैन धरि नारी जगतक नजैर ओइ दिशा दिस नै बढ़ल अछि तँए आँखि मूनि सभ अत्याचार झेल रहल अछि। जखने ओइ दिशा दिस देख आगू डेग उठौत तखने... ।

जेलर- (*मुस्कियाइत*) हमर शुभकामना अहाँ सभक संग अछि।

(*कल्याणी आ प्रतिज्ञा आगू बढ़ैत। दुनू सिपाही फाटकक भीतर प्रवेश करैत। बीचमे जेलर ठाढ़ भऽ कल्याणी दिस देखैत। दू डेग आगू बढ़ि कल्याणी पाछू घुमि कऽ तकैत। दुनूक-जेलर आ कल्याणी-आँखिपर आँखि पड़िते कल्याणी मुस्किया दैत। जेलर आँखि निच्चाँ कऽ लैत। पुन: कल्याणी आगू डेग उठबैत। जेलरो भीतर दिस प्रवेश करैत। एकटा पएर भीतर आ एकटा पएर बाहर रहिते पुन: कल्याणी दिस देखैत। तै काल कल्याणियों दुनू गोरे पाछू घुरि तकैत तँ जेलरपर नजैर पड़ैत।*)

जेलर- (*दुनू हाथ जोड़ि*) अन्तिम विदाइ।

कल्याणी- (*मुस्की दैत*) अन्तिम विदाइ नै पहिल विदाइ। जाधैर अहाँक जहल रहत ताधैर एक नै हजरो बेर आएब।

(फाटक बन्न कऽ जेलर भीतर जाइत अछि। कल्याणी आ प्रतिज्ञा दू डेग आगू बढ़ि)

कल्याणी- अखैन धरि जहिना अहाँ कौलेजक एकटा छात्रा छी तहिना हमहूँ छी। मुदा आब तँ पढ़ाइक अन्तिममे समय छी। परीक्षो भइए गेल। रिजल्ट निकलत जिनगीक लीला शुरू हएत।

प्रतिज्ञा- जिनगियेक लीला किए कहै छी नवालिगक सीमा सेहो टपि गेलौं। जहिया जेल एलौं तहिया ने नवालिग छेलौं। जइसँ देश आ समाजक प्रति ने कोनो अधिकार छेलए आ ने कोनो कर्तव्य। मुदा से तँ आब नै रहल। ओना बालबोधे जे किछु केलौं ओहो कोनो अधला थोड़े केलौं।

कल्याणी- अखैन धरि जे किछु भेल ओ बाल-बोधक खेल भेल। मुदा जहलक भीतर नवालिगक सीमा टपि वालिक भेलौं। 18 बर्ख पूरा भेल। जिनगी लेल आइ संकल्प ली जे जाधैर नारीपर अन्याए होइत रहत ताधैर चैनक साँस नै लेब।

प्रतिज्ञा- अखैन धरि ने अहाँकेँ ऐ रूपे हम चिन्है छेलौं आ ने अहाँ हमरा चिन्है छेलौं। तँए दुनू गोरे संकल्पक संग सप्पत ली जे जाधैर साँस रहत ताधैर संग-संग रहब।

कल्याणी- निसचित! जे कियो ऐ धरतीपर जनम नेने अछि सभकेँ स्वतंत्र रूपे जीवैक अधिकार छे (*किछु काल चुप भऽ*) सृष्टिक शुरूहेसँ देखैत छी जे जहिना ऋृषि भेला तहिना ऋृषिका सेहो भेली। (*पुन: रूकि*) संग-संग जिनगी बितैबतौं पुरुख नारीक संग भितरघात करैत-करैत सकपंज कऽ देलैन। जेकर परिणाम भेल जे ओकर पहाड़ सदृश रूप बनि गेल अछि।

प्रतिज्ञा- (*मुड़ी डोलबैत*) हँ, से तँ बनि गेल अछि। मुदा जहिना रसे-रसे बन्धन सक्कत होइत गेल तहिना रसे-रसे तोड़ौ पड़त। एक्के बेर जँ सभ बन्धनकेँ तोड़ए चाहब से सम्भव नै छै।

कल्याणी- (*मुड़ी डोलबैत*) ई तँ अछि। मुदा दुनियाँमे एहेन कोनो काज नै अछि जेकरा मनुख नै कऽ सकैए। तहन ई बात जरूर अछि जे जे जेहेन काज रहत ओइ लेल ओइ तरहक शक्तिक जरूरैत पड़ैत। तँए जरूरी अछि जे जहिना अखैन हम दुनू गोरे मिलि संकल्प लेलौं तहिना आरोकेँ जोड़ि शक्तिक अनुकूल डेग उठाएब।

प्रतिज्ञा- हँ, से तँ कहलो गेल अछि जे “जमात करए करामात।” जेना-जेना दुर्ग टपैत जाएब तेना-तेना शक्तियो बढ़ैत जाएत। जहिना बून-बून पानि मिलि धरतीपर ससैर धारा बनि धारक आकार बना समुद्रक रूप ग्रहन करैत तहिना ने मनुखोक होएत।❑

दोसर दृश्य-

(जहलक बाहरी छहरदेवाली टपि कल्याणी आ प्रतिज्ञा। दोसर दिससँ कल्याणीक भाए चन्द्रनाथ आ माए शान्तिकेँ देखैत तँ दोसर दिससँ शान्ति कल्याणीपर नजैर अटकौने। जेना शान्तिकेँ बघजर लगि गेल दुनू आँखिसँ नोर टघरैत। मुदा कल्याणी आ प्रतिज्ञाक मुहसँ खिलैत माने फुलाइत फूल जकाँ हँसी निकलैत।)

कल्याणी- (*आगू बढ़ि*) माए, अहाँ कनै किए छी? बेटी कोनो अधला काज कऽ जहल नै आइलि छलि। (*कहैत दुनू हाथे दुनू पएर पकैड़*) अहाँ असिरवाद दिअ। जहिना समाजक आन माएसँ हटि अहाँ पढ़ैक छूट देलौं तहिना हमरो दायित्व होइत अछि जे समाजक कल्याणक दिशामे आगू बढ़ी। जाधैर परिवारक डेग आगू दिस नै बढ़त ताधैर समाज केना बनत?

(दुनू बाँहि पकैड़ शान्ति कल्याणीकेँ उठबैत। कल्याणी उठि कऽ माइक दुनू आँखिक नोर दुनू हाथसँ पोछि आँखिपर आँखि गरा आगूमे ठाढ़ि। शान्तिक आँखिसँ धरती, पहाड़, समुद्रक रूप छिटकैत तँ कल्याणीक आँखिसँ सिंहक रूप छिटकैत)

चन्द्रनाथ- अहाँ सभ ताबे एतै अँटकू। एकटा सवारी नेने अबै छी। (*कहि भीतर जाइत*)

प्रतिज्ञा- चाची, आइ धरि नारी जगत, कमला-कोसीक धारक संग कारी मेघक बरखा सदृश अदौसँ नोर बहबैत आएल अछि मुदा जाधैर ओइ नोरकेँ बहैक कारणकेँ नै रोकल जाएत ताधैर बहब केना बन्न हएत? जहिना बेटी कल्याणी छी तहिना प्रतिज्ञो छी। असिरवाद दिअ।

शान्ति- (*माइक नजैरसँ नजैर मिला*) तूँ सभ जहल किए एलह?

कल्याणी- परीछाक आखिरी दिन एक्केटा विषयक परीछा रहै। जे दोसर खेपमे माने दोसर सत्रमे रहै। चारि बजे समाप्त भेल। ओना प्रश्न हल्लुके बुझि पड़ल। जहाँ सवाल पढ़लौं आकि मोन हल्लुक भऽ गेल। नीक जकाँ लिखलौं। डेरा अबैत रही आकि रस्तामे देखलिऐ...।

शान्ति- की देखलहक?

कल्याणी- आगू-पाछू विद्यार्थी (संगी) सभ डेरा अबैत रहै। हम दुनू गोरे (कल्याणी आ प्रतिज्ञा) पाछू रही। हमरासँ करीब चारि लग्गी आगू रूपा असगरे अबैत रहै। मोटर साइकिलपर एकटा युवक पाछूसँ जाइत रहै। रूपा लग आबि पहुँचते मोटर साइकिलेपर सँ देह परहक ओढ़नी खींचि लेलक।

(ओढ़नी खिंचैक सुनि शान्ति चौंकि गेलि। जेना बाँसक दू टुकड़ी रगड़सँ आगिक लुत्ती छिटकैत तहिना शान्तिक आँखिसँ लुत्ती छिटकल)

शान्ति- अँए, एते अन्याए?

प्रतिज्ञा- चाची, अहाँ गाम-घरमे रहै छी तँए नै देखै छिऐ। एहेन-एहेन अन्याए हजारक हजार रोज होइए।

शान्ति- राही-बटोही किछु ने कहै छै?

प्रतिज्ञा- की कहतै। निर्लज पुरुख नारीक लाज (इज्जत) थोड़े बुझैए। उ सभ तँ नारीकेँ खेलौना बनौने अछि। एक्के पुरुख अपन बहु-बेटीकेँ इज्जतक नजैरिये देखैए मुदा दोसराकेँ रण्डी-बेश्या बुझैए।
(क्रोधसँ शान्ति थर-थर कँपए लगल। दुनू आँखि लाल भऽ गेलै)

शान्ति- तब की भेलै?

प्रतिज्ञा- वेचारी रूपा, आगू-पाछू ताकि, मुड़ी गोति आगू बढ़ैत गेल। मुदा हमरा दुनू गोरेकेँ नै देखल गेल। सड़कक कातेमे पीचक पजेबा उखड़ल रहै। दुनू गोरे पजेबा हाथमे लऽ दौग कऽ ओकरापर फेकलौं। एकटा तँ हूसि गेलै। मुदा दोसर कपारमे लगलै।

शान्ति- वाह-वाह, भगवान हमरो औरुदा तोरे सभकेँ देथुन। भाँइमे कियो दादा हुअए। नारी-जातिक सान बचेलौं। तेकर उत्तर की भेल?

प्रतिज्ञा- ओ मोटर साइकिलपर सँ खसि पड़ल। कपारसँ खून गड़-गड़ चुबए लगलै। हल्ला भेलै। तखने ट्रैफिक पुलिस आबि कऽ दुनू गोरेकेँ पकैड़ पहिने थाना लऽ गेल। थानासँ जहल पठा देलक।

शान्ति- मुदा हम तँ दोसरे-तेसरे बात सुनलौं।

प्रतिज्ञा- की?

शान्ति- केते बाजब कोइ किच्छो तँ कोइ किच्छो बजैए। एक गोरे कहलक जे दुनू गोरे परीछामे चोइर करैत पकड़ल गेल।

प्रतिज्ञा- चाची, झूठकेँ सत्य बनाएब आ सत्यकेँ झूठ बनाएब छुद्दर पुरुख सभक गुण छी। जहिना बहिन कल्याणीक माए छिऐ तहिना हमरो छी अहाँ लग झूठ बाजब।

शान्ति- (*किछु मोन पाड़ैत*) बेटी प्रतिज्ञा, तूँ जे कहलह ओ अपनो मोनमे अबैए। मुदा बिना पुरुखक मदैतिये नारी जीब केना सकैए?

कल्याणी- (*उत्साहित भऽ*) अखैन धरि नारीकेँ पुरुख अन्हारमे रखलक। जइसँ ओकरा अपन सभ गुण हरा गेलइ। घरक भीतर रखि ओकरा दुनियाँक बात बुझै नै देलक। जइसँ ओ परती खेत नहाँति सभ किछु रहितो पानि-बिहाड़ि, जाड़, रौद, भुमकमक चोटसँ निष्क्रिय भऽ गेल।

शान्ति- ऐ बातकेँ नारी किए ने अखैन धरि बुझि रहल अछि?

कल्याणी- एकरो कारण छै। सृष्टिक निर्माण पुरुख नारीक संयोगसँ होइत अछि। जहिना गाड़ी, दू पहियासँ चलैए, तहिना। मुदा नारीक पेटमे नअ मास रहि बच्चाक जनम होइत अछि। ऐ दौरमे नारीकेँ कठिन कष्टक सामना करए पड़ैए। जेकर लाभ पुरुख उठौलक।

शान्ति- (*मुड़ी डोलबैत*) हूँ...।

कल्याणी- बच्चाक पालन खाली पेटे धरि नै जनम लेला पछाइतो होइत अछि। जइमे घेरा जाइत अछि। घेराइत-घेराइत एते घेरा जाइत जे जिनगी बदैल गुलाम बनि जाइत अछि।

शान्ति- (*मुड़ी डोलबैत*) एहेन स्थितिमे नारी पुरुखक बरबैर केना कऽ सकैए?

प्रतिज्ञा- (*उत्तेजित भऽ*) कए सकैए, चाची।

(*सवारी लऽ कऽ चन्द्रनाथक प्रवेश*)

चन्द्रनाथ- चलै चलू। सवारी आबि गेल।❑

तेसर दृश्य-

(अनन्त कुमारक घर। दरबज्जापर एकटा चौकी राखल आ बगलमे कुरसीपर अनन्त कुमार बैसि, आँखि बन्न केने)

अनन्त कुमार- (स्वयं) दिनो-दिन जिनगी जपाल भेल जा रहल अछि। जे दिन जे क्षण बीत रहल अछि ओ नरकक वास भऽ रहल अछि। मुदा मऽरबो तँ हाथमे नहियेँ अछि अपने हाथे आत्महत्यो केना कए लेब?

(चाह नेने शान्तिक प्रवेश। पतिक हाथमे कप पकड़बैत शान्ति चौकी बगलमे ठाढ़। एक घोट चाह पीबि अनन्त कुमार शान्ति दिस देख)

अनन्त कुमार- जिनगी भार भऽ गेल। अकाजक अन्न सन देबकेँ हत्या करैत छी। नीरस जिनगी कोकनल गाछ सदृश होइत अछि। जे पील, गराड़क घर बनि जाइत अछि तहिना जिनगी बुझि पड़ैए।

शान्ति- सोग केलासँ सोग थोड़े मेटाएत। सोग तँ समस्याकेँ जनम दइए। जे बिना केने थोड़े मेटाएत?

अनन्त कुमार- जखने घरसँ निकलै छी तखने रंग-बिरंगक अड़कच-बथुआ काचर-कुचर सुनए लगै छी। केकरा की कहियौ। केते लोकसँ माथ चटाउ। केकरो मुँहमे जाबी लगौनाइ असान छी।

शान्ति- केते दिन मुड़ी गोंति समाजमे जीब?

अनन्त कुमार- नीक हएत जे झब दए कल्याणीक बिआह करा दिऐ। आन गाम गेलापर तँ लोकक बात नै सुनब। जहिना पोखैरक पानिक हिलकोर जे दू-चारि दिनमे शान्त भऽ जाइ छै तहिना असथिर भऽ जाएत।
(*चन्द्रनाथक प्रवेश*)

शान्ति- भने बउऔ आबिऐ गेल। दुनू बापूत छीहे विचारि कऽ रस्ता नकालि लिअ।

चन्द्रनाथ- (*अकचकाइत*) कथीक रस्ता माए? कोन एहेन दुर्ग टूटि कऽ खसि पड़ल जे बाबूकेँ हम विचार देबैन।

अनन्त कुमार- बौआ, नीक की बेजाए, अपना परिवारमे नै बाजब तँ केतए बाजब। जखने गाम दिस टहलै छी, सोझहा-सोझही तँ नै मुदा अढ़ दाबि-दाबि मौगियो आ मरदो की बजैए तेकर कोनो ठेकान नै।

चन्द्रनाथ- की बजैए?

अनन्त कुमार- कियो बजैए जे कल्याणी जहल जा कुल-खनदानक नाक-कान कटौलक। तँ कियो बजैए जे केहेन माए-बाप छै जे बेटीक वएस बितल जाइ छै मुदा बिआह करैले नीने ने टुटै छै।

चन्द्रनाथ- बाबू, जहिना दिनक उनटा राति होइ-छै तहिना नीक अधलाक बीच सेहो होइ-छै ज्ञान-अज्ञानक बीच सेहो होइ छै। धरतीपर ओते अधलो अछि। हमरा बुझने तँ अधले बेसी अछि। किऐक तँ नीक एक्के तरहक होइ छै जखैन कि अधला अनेको रंगक- रावण-कौरबक सखा जकाँ।

अनन्त कुमार- तेतबे नै ने, ईहो बजैए जे पढ़ा-लिखा कऽ बेटी तेहेन बना लेलक जे चौक-चौराह पुरुखे जकाँ मुँह-कान उधारि निधोख भाषणो करैए।

चन्द्रनाथ- बाबूजी, हमर बहिन कुम्हरक बतिया नै ने छी जे ओंगरी बतौने सड़ि जाएत। जँ कियो आँखि उठौत वा ओंगरी बतौत तँ ओकर आँखियो फोड़ि देबै आ ओंगरियो काटि लेबै। अपन माए-बहिन दिस देखह जे माटिक मुरुत बनौने अछि।

शान्ति- बौआ, हम दुनू परानी तँ पाकल आम भेलौं जाबे जीबै छी, ताबे जीबै छी। करवनी खसि पड़ब तेकर कोन ठीक। मुदा तूँ दुनू भाए-बहिन तँ से नै छह। भगवान करथुन जे हँसैत-खेलैत शतायु हुअह।
(*कल्याणीक प्रवेश*)

अनन्त कुमार- बेटी कल्याणी, तोरा सभले ओइ गीरहकेँ तोड़ि देलौं जइ बन्धनक बीच कन्या अज्ञानक काल-कोठरीमे जीबैए।

कल्याणी- बाबूजी, जहिना अहाँ समाजमे पहिल डेग उठा नव फुलक गाछ रोपलौं तहिना अहाँक आत्मा एक नै अनेक फुलक फुलवाड़ी लगौत।

शान्ति- बेटी, भगवान हमरो दुनू बेकतीक औरुदा तोरे दुनू भाए-बहिनकेँ देथुन। जाबे बच्चा छेलह ताबे जेतए धरि भऽ सकल सेवा केलिय। आब तँ तोरे सबहक दिन-दुनियाँ भेलह, हम सभ तँ चलचलाउ भेलौं।

कल्याणी- माए, नारीक संग अत्याचार करैत-करैत पुरुख एहेन अभ्यस्त भए गेल अछि जे उचित-अनुचितक सीमे समाप्त भऽ गेल छै। जइसँ नारी खसैत-खसैत एते निच्चाँ खसि पड़ल अछि जे स्वरूपे समाप्त भऽ गेल अछि।

अनन्त कुमार- (*मुड़ी डोलबैत*) हँ, से तँ भऽ गेल अछि।

कल्याणी- बाबू, ई दुनियाँ कर्मभूमि छी “वीर भोग्या बसुंधरा” जे जेहेन कर्म करत ओ ओहन फल पौत। जहिना डोरीक एक भत्ता अहाँ तोड़ि हमरा अन्हारसँ इजोतक रस्ता खोललौं। तहिना एक-एक भत्ता तोड़ि नारी जगतक बन्धन तोड़ि देबै।

अनन्त कुमार- बन्धन तँ सक्कत अछि मुदा ओकरा तोड़नौं बिना तँ कल्याण नहियेँ अछि। मुदा ऐ लेल ज्ञान, साहस आ धैर्यक जरूरत अछि।

कल्याणी- (*मुस्की दैत*) पैरुख सिरिफ पुरुखे लेल नै नारियो लेल विधाता देने छथिन। जरूरत अछि ओकरा पकड़ैक। हमहूँ आब नवालिग नै बालिक भेलौं तेतबे नै, किरिणक डोरसँ सुनि सेहो देख लेलौं। जहिना सृष्टिक विकासमे पुरुख-नारी समान अछि तहिना जाधैर दुनूक बीच समानता नै आओत ताधैर चैनक साँस नै लेब

अनन्त कुमार- बहुत कष्ट हएत?

कल्याणी- (*हँसैत*) "जीवन नया मिलेगा, अन्तिम चिता में जल के"। जहिना भिनसुरका सुरूज देखने दिनक अनुमान होइए तहिना तँ नवालिगक आड़ि हमहूँ जहलेमे टपलौं किने।❑

चारिम दृश्य-

(*दरबज्जाक चौकीपर चद्दैर ओढ़ि, मुँह उधारने अनन्त कुमार पड़ल। पँजरामे शान्ति बैसल*)

शान्ति- (*देह छूबि*) बोखारसँ देह जरैए आ अहाँ जिद्द बन्हने छी जे दरबज्जापर सँ अँगना नै जाएब।

अनन्त कुमार- आइ धरि परिवार अँगने भरि रहल मुदा कल्याणी सन बेटी कुलमे जनम लेलक। जे आँगनसँ निकैल समाज रूपी परिवारमे रहए चाहैए, बाप होइक नाते हम दरबज्जो धरि नै अरिआति देबै।

शान्ति- कहलौं तँ ठीके मुदा माए-बाप, बेटा-बेटीकेँ जनमे ने दइ छै करम तँ अपने काज करै छै।

अनन्त कुमार- हमरा ऐ परिवारक कोनो भार नै अछि जहिना बाबू दरबज्जा बना कए गेला तहिना अन्तिम साँस धरि दरबज्जाक रक्षा माने मान-सम्मान करैत रहब।
(*चन्द्रनाथक प्रवेश*)

चन्द्रनाथ- (*अवितहि*) बाबू किए, चद्दैर ओढ़ने छिऐ?

शान्ति- बोखारसँ आगि फेकै छैन। केतबो कहै छिऐन जे पुरबा लहकै छै, चलू आँगन, से कहै छैथ जे अन्तिम समैमे दरबज्जापर प्राण छोड़ब। पुरबा-पछबाक काज छिऐ। बहनाइ, बहऽ।

चन्द्रनाथ- बाबू, जे बात अहाँ आइ बजलौं से पहिने कहाँ कहियो बाजल छेलौं।

अनन्त कुमार- तोहर प्रश्नसँ ह्रदए जुड़ा गेल बौआ। माए छथुन तँ फुटल ढोल। भरि दिन पनचैती केने घुरती जे सभ शान्तिसँ मिलि-जुलि कऽ रहू। मुदा जहिना शक्ति बढ़ल जाइए तहिना हिनकर पनचैतियो बढ़ल जाइ छैन।

चन्द्रनाथ- (*ठहाका मारि*) हूँ-हूँ...।

शान्ति- बुढ़ा तँ नीक-अधला सभ दिन कहलैन। जखैन-जुआन रही तखैन बरदास भेल आ आब तामस उठत। दुनियाँमे जँ कियो संग पुरलैन तँ सभसँ बेसी यएह ने पुरलैन। मुदा आब भगवान अन्याए केलैन जे पहिने हमरा नै ओछाइन छड़ौलैन।

अनन्त कुमार- नीक हेतह जे कल्याणियोँ कें सोर पाड़ि लहक।
(*चन्द्रनाथ भीतर प्रवेश। कल्याणीक संग मंचपर प्रवेश।*)

कल्याणी- बाबू, किछु होइए?

अनन्त कुमार- नै।

शान्ति- की कहथुन। बोखारसँ देह जड़कै छैन।

कल्याणी- कोनो दबाइ नै देलहुन?

अनन्त कुमार- दबाइ खाइबला रोग नै छी बेटी। मोनमे एते खुशी आबि गेल अछि जे सौंसे देह हँसैए।

कल्याणी- (*मने-मन सोचैत। मुँहक पोज सुख-दुखक यएह अवस्था छी*) माए किछु कहै छैथ अहाँ किछु कहै छी? (*आवेशमे अबैत*) किए बजेलौं?

अनन्त कुमार- केतए गेल छेलह?

कल्याणी- महिलाक एकटा बैसारक आयोजन करए चाहै छी जइमे विधवा समस्याक सम्बन्धमे विचार करब।

अनन्त कुमार- ई तँ छोट समस्या छह। अखैन नव उत्साह छह पैघ समस्याकेँ नजैरमे रखि डेग उठाबह।

कल्याणी- (*विस्मित होइत*) केना ऐ समस्याकेँ छोट समस्या कहै छिऐ।

अनन्त कुमार- भने तँ समाज दिस डेग उठेबे केलह, बुझवे करबहक। मुदा पहिने समाजकेँ पढ़ए पड़तह। (*उठि कऽ बैसैत*) चद्दैर उतारि सिरमापर रखि दुनू पएर

मोड़ि कए बैसैत सभ कियो एकठाम बैसह।
(*चारू गोरे चौकीपर बैस जाइए।*)

अनन्त कुमार- सभकेँ अपन परिवारमे, एक सीमा धरि लाज-विचार करक चाही, माइए छथुन पहिने हिनका विषएमे सुनि लाए।
(*पतिक बात सुनि शान्ति देह-हाथ समेट सांकांक्ष होइत बैसैत। चन्द्रनाथ मुड़ी गोति लेलक। कल्याणी पिताक आँखिपर आँखि गड़ा लेलक।*)

अनन्त कुमार- जहियासँ माए एलखुन तहियासँ जिनगीक अन्तिम पड़ाव धरि संगे छी। गुण-अवगुण मनुखमे होइते अछि। मुदा सदैतकाल दुनूपर नजैर रखि गुणकेँ बढ़ेबाक आ अवगुणकेँ कम करबाक कोशीश करक चाही। जइसँ नीक रस्ता पकैड़ आगू बढ़ब।

कल्याणी- ई तँ बड़ कठिन काज छी, बाबू।

अनन्त कुमार- (*मुस्की दैत*) हँ, ई विवेकक काज छी। अही दुआरे मनुख सभ जीवसँ ऊपर भेल। ओना ऊपर होइक दोसरो कारण ई अछि जे धरतीपर जेते जीव-जन्तु अछि तैमे मनुख अन्तिम रूप छी।

कल्याणी- माइक चरचा करए लगलिऐ?

अनन्त कुमार- हँ। देखहक, ऐ धरतीपर अनेको लोक अछि। जेकर सीमा निर्धारित कर्म आ ज्ञान केने अछि। ऐ अर्थमे माए बहुत दूर छथुन। मुदा अहू अवस्थामे आत्मा, माने विवेक सएह कहैए जे अखनो धरि दोसराक पैतपाल करबाक शक्ति छैन।

चन्द्रनाथ- (*मुड़ी उठा*) एते दिन किए..?

अनन्त कुमार- हँ, ठीके तूँ पूछए चाहै छह। जहिना माली, बिना फूलक बीआ देखनौं पात देख, बुझि जाइए जे ई अमुक फूलक गाछ छी। तहिना कल्याणीकेँ देख विवेक जगि गेल।

चन्द्रनाथ- एते दिन विवेक सुतल छेलै?

अनन्त कुमार- नै बौआ, जहिना आमक गाछक जड़िमे जनमल तुलसी गाछक बाढ़ि ठमैक जाइए तहिना ठमैक गेल छेलइ। मुदा कल्याणीक आँखिक ज्योति जहिना सुनयनाक बेटी सीताक छेलैन तहिना बुझि पड़ैए। तँए अनासुरती विवेक पोनगि गेल।

कल्याणी- माए, बाबूक संग अहूँ असिरवाद दिअ।

शान्ति- अखैन धरि जे डीह, पुरखाक कएल काजक इतिहास छी ओकरा जीबित दुनू भाए- बहिन मिलि रखब।

कल्याणी- झाँपल-तोपल बात अहाँक नै बुझि सकलौं।

शान्ति- हम तँ बेसी बिसैरिये गेलौं। बाबूए कहथुन।

अनन्त कुमार- बेटी कल्याणी, पहिने परिवार बुझि लहक। तूँ दुनू भाए-बहिन छह। जहिना तूँ घरसँ निकैल दोसर घर जेबह तहिना दोसरा घरसँ अपनो घर औती। ऐसँ मनुखक स्थानान्तर (ट्रान्जेक्शन) शुरू भेल। ओना अपनो परिवारमे लड़का-लड़की होइत (जनम) अछि, किए दोसर परिवारसँ सम्बन्ध जोड़ल जाइए? *(चन्द्रनाथ बहिन दिस हाथ बढ़ौलक, कल्याणी भाइक हाथमे हाथ रखलक। माटिक मूर्ति जकाँ अनन्त कुमार देखैत। अपने मने शान्ति बरबराए लगली)*

शान्ति- सासु-ससुरक बनौल परिवारकेँ अखैन धरि निमाहि रहल छी। जहिना बूढ़ा दुआरपर आएल अभ्यागतकेँ बिना हँसौने नै जाइ दइ छेलखिन तहिना अखैन धरि निमाहल।

कल्याणी- ई तँ काजक भार भेल, माए। मुदा असिरवादो ने चाही?

शान्ति- बेटी, सामाक माए-बाप जकाँ, तोहर माए-बाप नै छथुन। जहिना सामा लेल चकेबा सभ किछु तियागि संग पुरलक तहिना तोरो भाए करथुन।
(*चन्द्रनाथकेँ भारसँ दबैत देख अनन्त कुमार*)

अनन्त कुमार- हँ, कहै छेलिअ। जहिना शंकर बीज उन्नतिशील होइत तहिना मनुखोक प्रक्रिया अछि। (बात बदलैत) सदैतकाल माए माथ खोड़ैत रहै छथुन जे किए बेटीक (कल्याणीक) बिआह अनठौने छी। मुदा हम अनठौने कहाँ छी।

कल्याणी- (*आँखि लाल केने*) बाबू...।

अनन्त कुमार- (*मुस्कियाइत*) बेटी हुनको विचार अधला नहियेँ छैन। बेटीक प्रति माइक ममता बेसी होइ छै। मुदा परिवारमे बिआह साधारण काज नै छी। तहूमे अखैन, सभ तरहक संक्रमणक प्रक्रिया चलि रहल अछि।

चन्द्रनाथ- की संक्रमण?

अनन्त कुमार- पहिने अपन इतिहास बुझि लाए। अदौमे स्वयंवर प्रथाक चलैन छल। जहिक माध्यमसँ माए-बाप बेटा-बेटीकेँ भार दऽ देलकैन। मुदा आइ की देखै छहक जे तेते ओझरी लगि गेल जे जेते सोझरबैक रस्ता अपनौल जाइए ओते ओझरी बेसियाइए जाइ छै।

कल्याणी- बाबू, हमहूँ अबोध बच्चा नै छी बालिग भेलौं। तँए... ।

अनन्त कुमार- बिल्कुल ठीक सोचै छह। जखैन महिलामे पैंतालीस-पचास बर्ख धरि सन्तान उत्पन्न करबाक शक्ति रहैए तखैन कम उमरमे बिआह तँ बड़ जरूरी नहियेँ भेल?

कल्याणी- असिरवाद दिअ। समाजक बीच किछु करबाक जिज्ञासा भऽ गेल अछि।

अनन्त कुमार- बेटी, हृदेसँ असिरवाद दइ छिअ। जहिना अदौमे कोनो अछूत जाति जखैन कोनो गाममे प्रवेश करै छल तखैन कोनो एहेन बाजा बजबै छल जे लोक बुझि जाइ छेलइ।

कल्याणी- (*चकोना होइत*) की कहि देलिऐ?

अनन्त कुमार- पुरना गप कहलिअ। आब तँ गीताक जुग एलै। तँए जहिना कृष्ण कुरुक्षेत्रमे शंखक अवाजसँ अपन जानकारी दइ छेलखिन। तहिना... ।

कल्याणी- (*आँखि-कान चकोना करैत चारू भाग देख*) कनी बुझा कऽ कहियौ?

अनन्त कुमार- समाजमे किछु करए चाहै छह तँ काल्हिये बेरू पहर दुर्गास्थानमे बैसार करह।

कल्याणी- कािल्हसँ नीक जे रवि दिन बैसार करब नीक रहत। ओइमे नोकरियो-चाकरियो सभ रहता।

अनन्त कुमार- नोकरी-चाकरी कए कऽ जे गामक नास केलक ओकरा बुते गाम बनौल हएत। जहिना भिनसुरके सुरूज देखलासँ दिन भरिक अनुमान लोक कऽ लइए तहिना मनुखक किरदानीए देख कऽ मनुखकेँ चिन्हए पड़तह।

कल्याणी- हुनका बुते केना गामक विचार कएल हेतैन।

अनन्त कुमार- (*खिसिआ कऽ*) दिल्ली सरकारमे सभसँ बेसी बिहारक रेलमंत्री भेला। मुदा की देखै छहक? जेकरा तूँ अबोध कहै छहक ओकर जिनगियो छोट छै। जिनगीक समस्यो कम होइत अछि।

कल्याणी- अखने जा कऽ ढोलियाकेँ ढोलहो दइले कहि अबै छिऐन। साँझू पहर ढोलहो दऽ देब।❑

पाँचम दृश्य-

(दुर्गास्थानक आगूमे एक भाग पुरुख एक भाग महिला बैसल। एकटा डायरी, पेन नेने महिला दिससँ आगूमे कल्याणी-प्रतिज्ञा। पुरुख दिससँ सूर्यदेव, क्षितिजदेव, निष्कान्त बैसल।)

सूर्यदेव- आजुक बैसार लेल कल्याणी आ प्रतिज्ञाकेँ हृदेसँ शुभकामना दइ छिऐन जे एकटा नव परम्पराक शुभारंभ केलैन। आशा संग आगू बढ़ति सएह शुभकामना।

कल्याणी- भाय साहैब, अहाँ सभ तरहेँ अगुआएल छी तँए आगूक बाटक जेते ज्ञान अहाँकेँ अछि ओते हम थोड़े बुझै छी।

(*बिच्चेमे निष्कान्त*)

निष्कान्त- सुरजू भाय, हमरो बात सुनि लिअ। काल्हिये दुनू परानीक झगड़ाक पनिचैतीमे गेल छेलौं। वेचारा विसनाथकेँ देखते छिऐ जे डेढ़ सौ रुपैआक कमाइ घर जोड़ैयामे करैए। सभ दिन कमा कऽ अबैए आ घरवालीक हाथमे दऽ दइ छै। घरवाली केहेन जे टी.भी. कीनैले पाइ जमा करैत जाइए। रौद-बसातमे काज करैबलाकेँ एकटा गंजीसँ थोड़े पार लगतै। तइले घरवाली पाइए ने दइ छै।

कल्याणी- (*मुड़ी डोलबैत*) की पनचैती केलिऐ?

निष्कान्त- सँए-बहुक झगड़ा पंच लबरा। हम नै बुझै छिऐ जे पावरक लड़ाइ छी। दुनू गोरेकेँ थोड़-थाम लगा देलिऐ। दू विचारक लड़ाइ हमरे बाप बुते फड़ियाएल हएत।

सूर्यदेव- अच्छा एकटा कहऽ जे दुनू गोरेमे घरक गारजन के छी?

निष्कान्त - उँ-हूँ सौंसे गामेमे सबहक घरमे मौगियेक जुति अछि। एहेन जे लोकक दशा भेल छै से किए? कमाइ छै कोइ, हुकुम केकरो। कोनो घर आकि कोनो गाम, जाबे मरदक जुतिमे नै चलत ताबे ओहिना गाम आगू मुहेँ ससैर जाएत?

कल्याणी- कबिलाहाक खेल देखबै। दिन पनरहम गुरुकाका कानि-कानि कहैत रहैथ जे सभ दिन परदा-पौसकेँ मानलौं। पुतोहुजनीकेँ बेटा नोकरी लगा देलकैन। दस कोसपर स्कूल छैन। दुनू परानी जे जेतए छैथ, खाइ-पीबै राति धरि घुमि कऽ अबै छैथ। बेटा तँ बेटा भेल मुदा पुतोहुक सेवा सासु करैन, ई हमरा पसिन नै अछि?

सूर्यदेव- ई नै पुछलहुन जे समय एना किए भेल?

निष्कान्त- आठ घन्टा खटनीक पछाइत जे समय बँचैए तेतबे ने समाजमे समय लगाएब, ओते पुच्छा-पुच्छी जे करए लगब से ओते निचेन रहै छी।

कल्याणी- भैया, नारीकेँ बरबैर अधिकारक हवा चलि रहल अछि से की?

सूर्यदेव- मदारी सबहक खेल छी। नारी, पुरुखसँ हीन केना बनैत गेल? जाधैर ऐ इतिहासकेँ नै देखब ताधैर कारण केना पाएब। केकरोसँ अधिकार मंगबै? ऐ लेल विकासक प्रक्रियाकेँ नीक जकाँ बुझए पड़त।

कल्याणी- काज केना शुरू कएल जाए, भाय।

सूर्यदेव- बहुत बातक जरूरत अखैन नै अछि। मुदा किछु बात कहि दैत छी। पहिल, नारीकेँ चिन्हैले नजैर ओतए दिअए पड़त जैठाम हवाइ जहाजमे उड़ैत, इलाइची फोड़ि-फोड़ि मुँहमे दैत जिनगी अछि तँ दोसर दिस भरि-भरि छाती पानि टपि (खच्चा, धार) भीजल कपड़ा पहीरि गोबर बिछैक जिनगी अछि।

कल्याणी- (*नमहर साँस छोड़ैत*) अद्भुत बात भाय अहाँ कहलौं।

सूर्यदेव- कल्याणी, अहाँ अखैन फुलाइत फुलक कली छी। तँए जरूरत अछि शुद्ध माटि-पानिक। प्रत्येक साल समाजमे माने गाममे साएसँ ऊपर आन गामक बेटी अबै छैथ। गामक बेटी जेबो करै छैथ। प्रश्न उठैत सिरिफ देहेटा अबैत-जाइत आकि लूरि-बुधि सेहो अबैत जाइत अछि।

कल्याणी- अखैन तँ आरो विकट भऽ गेल अछि जे देशक एक कोनसँ दोसर कोनमे रहनिहारक (पालल-पोसल) बीच सम्बन्ध स्थापित भऽ रहल अछि। जइसँ खान-पान, बात-विचार लूरि-ढंग सभ टकरा रहल अछि।

सूर्यदेव- अहिना खाइ-पीबैमे देखियौ। एक आदमीक (परिवारक) एक दिनक खर्च जेते होइत अछि दोसर दिस ओहन परिवारक भरमार अछि जइ परिवारमे दसो-बर्खक आमदनी ओते नै छै। केकरो असली नोर चुबै तब ने से तँ पियौजक झाँसक नोर चुबबैए।

कल्याणी- खेती-बाड़ीक की स्थिति अछि?

सूर्यदेव- सरकारी मेला लगल। गाममे चारिटा ट्रेक्टर चलि आएल। एक तँ बाढ़िमे बारह आना बरद गाममे मरि गेल, दोसर जे चारि आना बँचल ओहो सभ गोबर उठबै दुआरे बेचि लेलैन। अखैन गाममे एक्कोटा बरद नै अछि। ले बलैया ट्रेक्टर कदबामे सकबे ने करै छै। खेती केना हएत?

कल्याणी- अजीव-अजीव बात सभ कहै छी, भैया?

सूर्यदेव- केते कहब बहिन। जेते खर्चमे पहिने लोक प्रोफेसर बनै छला तेते अखैन बच्चाक स्कूलमे खर्च हुअ लगल अछि। केकर बेटा पढ़त। शिक्षा केहेन भऽ गेल अछि जे धोती-कुरताबला आ पेन्ट-कोटबला अपनामे रगड़ केने छैथ जे हम नीक तँ हम नीक। के फड़ियौत? जखैन कि प्रश्न नान्हिटा अछि जे जइसँ जिनगी नीक-नहाँति आगू मुहेँ समैयक संग ससरै।❑

समाप्त।

जगदीश प्रसाद मण्डलजीक दस बर्खक लेखन क्रम:

416. पाइक मोल- शब्द संख्या: 2412, तिथि: 22 दिसम्बर 2013
417. चोरूक्का झगड़ा- शब्द संख्या: 538, तिथि: 24 दिसम्बर 2013
418. अपसोच- शब्द संख्या: 548, तिथि: 26 दिसम्बर 2013
419. पतझाड़- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 31 दिसम्बर 2013
419. झीसीक मजा- शब्द संख्या: 453, तिथि: 1 जनवरी 2014
420. मति-गति- शब्द संख्या: 1807, तिथि: 07 जनवरी 2014
421. रिजल्ट- शब्द संख्या: 2343, तिथि: 16 जनवरी 2014
422. अपन सन मुँह- शब्द संख्या: 5696, तिथि: 25 जनवरी 2014
423. सुमति- शब्द संख्या: 3072, तिथि: 30 जनवरी 2014
424. फेर पुछबैन- शब्द संख्या: 346, तिथि: 31 जनवरी 2014
425. माघक घूर- शब्द संख्या: 1683, तिथि: 06 फरवरी 2014
426. खर्च- शब्द संख्या: 330, तिथि: 07 फरवरी 2014
427. अखरा-दोखरा- शब्द संख्या: 342, तिथि: 10 फरवरी 2014
428. पेटगनाह- शब्द संख्या: 593, तिथि: 14 फरवरी 2014
429. बड़की माता- शब्द संख्या: 1224, तिथि: 18 फरवरी 2014
430. धरती-अकास- शब्द संख्या: 184 , तिथि: 19 फरवरी 2014
431. बकठाँइ- शब्द संख्या: 883, तिथि: 24 फरवरी 2014
432. चैन-बेचैन- शब्द संख्या: 936, तिथि: 09 मार्च 2014
433. हथियाएल खुरपी- शब्द संख्या: 645 , तिथि: 11 मार्च 2014
434. अलपुरिया बरी- शब्द संख्या: 287, तिथि: 12 मार्च 2014

435. नीक बोल- शब्द संख्या: 565, तिथि: 13 मार्च 2014

436. सुआद- शब्द संख्या: 624, तिथि: 14 मार्च 2014

437. गंगा नहेलौं- शब्द संख्या: 690, तिथि: 19 मार्च 2014

438. भोँटक गहमी- शब्द संख्या: 508, तिथि: 24 मार्च 2014

439. भँसैत नाह- शब्द संख्या: 597, तिथि: 26 मार्च 2014

440. पान पराग- शब्द संख्या: 1692, तिथि: 29 मार्च 2014

441. सिरमा- शब्द संख्या: 760, तिथि: 31 मार्च 2014

442. नौमीक हकार- शब्द संख्या: 1119, तिथि: 03 अप्रैल 2014

443. फोंक मकड़- शब्द संख्या: 1744, तिथि: 10 अप्रैल 2014

444. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1252, तिथि: 14 अप्रैल 2014

445. अभिनव अनुभव- शब्द संख्या: 326, तिथि: 16 अप्रैल 2014

446. खोंटकर्मा- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 19 अप्रैल 2014

447. किछु ने- शब्द संख्या: 503, तिथि: 22 अप्रैल 2014

448. झकास- शब्द संख्या: 1589, तिथि: 26 अप्रैल 2014

449. अप्पन-बीरान- शब्द संख्या: 2919, तिथि: 01 मई 2014

450. सजमनियाँ आम- शब्द संख्या: 611, तिथि: 04 मई 2014

451. अर्जुन रोग- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 7 मई 2014

452. गरदैन कट्टा बेटा- शब्द संख्या: 575, तिथि: 10 मई 2014

453. नैहराक धाड़- शब्द संख्या: 885, तिथि: 14 मई 2014

454. अवाक- शब्द संख्या: 1041, तिथि: 17 मई 2014

455. पोखैरक सैरात- शब्द संख्या: 923, तिथि: 20 मई 2014

456. दनियाँ डाबा- शब्द संख्या: 409, तिथि: 22 मई 2014

457. धरम काँट- शब्द संख्या: 395, तिथि: 23 मई 2014

458. पल भरि- शब्द संख्या: 1116, तिथि: 24 मई 2014

459. किरदानी- शब्द संख्या: 5309, तिथि: 14 जून 2014

460. सगहा- शब्द संख्या: 2860, तिथि: 22 जून 2014

461. अकाल- शब्द संख्या: 1238, तिथि: 24 जून 2014

462. उझट बात- शब्द संख्या: 1152, तिथि: 26 जून 2014

463. कर्जखौक- शब्द संख्या: 1175, तिथि: 2 जुलाई 2014
464. उनटन- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 6 जुलाई 2014
465. रेहना चाची- शब्द संख्या: 1307, तिथि: 9 जुलाई 2014
466. बुधनी दादी- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 11 जुलाई 2014
467. अउतरित प्रश्न- शब्द संख्या: 1229, तिथि: 14 जुलाई 2014
468. हारि- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 16 जुलाई 2014
469. सोनाक सुइत- शब्द संख्या: 1135, तिथि: 17 जुलाई 2014
470. मरुभूमि- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 20 जुलाई 2014
471. असगरे- शब्द संख्या: 1557, तिथि: 24 जुलाई 2014
472. पुरनी नानी- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 27 जुलाई 2014
473. कटा-कटी- शब्द संख्या: 1140, तिथि: 30 जुलाई 2014
474. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1206, तिथि: 3 अगस्त 2014
475. गलती अपने भेल- शब्द संख्या:3386, तिथि: 06 अगस्त 2014
476. चोरक चोरबती- शब्द संख्या: 884, तिथि: 6 अगस्त 2014
477. घर तोड़ि देलिऐ- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 10 अगस्त 2014
478. सजल स्मृति- शब्द संख्या: 2363, तिथि: 14 अगस्त 2014
479. सनेस- शब्द संख्या: 2654, तिथि: 16 अगस्त 2014
480. सए कच्छे- शब्द संख्या: 488, तिथि: 19 अगस्त 2014
481. एक मुठी घास- शब्द संख्या: 411, तिथि: 21 अगस्त 2014
482. करिछौंह मुँह- शब्द संख्या: 318, तिथि: 24 अगस्त 2014
483. पुरस्कार- शब्द संख्या: 2414, तिथि: 24 अगस्त 2014
484. गावीस मोइस- शब्द संख्या: 687, तिथि: 29 अगस्त 2014
485. मनकमना- शब्द संख्या: 6110, तिथि: 19 सितम्बर 2014
486. घरवास- शब्द संख्या: 4879, तिथि: 26 सितम्बर 2014
487. समधीन- शब्द संख्या: 6098, तिथि: 04 अक्टूबर 2014
488. चापाकलक पाइप- शब्द संख्या: 1616, तिथि: 7 अक्टूबर 2014
489. कलम हानि कS- शब्द संख्या: 2226, तिथि: 10 अक्टूबर 2014
490. लतियाएल जिनगी- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 14 अक्टूबर 2014

491. गामक शकल-सूरत- शब्द संख्या: 2596, तिथि: 20 अक्टूबर 2014
492. जितिया पाबैन- शब्द संख्या: 3706, तिथि: 24 अक्टूबर 2014
493. सुखाएल सूरत- शब्द संख्या: 3690, तिथि: 30 अक्टूबर 2014
494. भैयारी हक- शब्द संख्या: 3131, तिथि: 4 नवम्बर 2014
495. ठकुआएल भुसवा- शब्द संख्या: 3335, तिथि: 13 नवम्बर 2014
496. खुदियाएल- शब्द संख्या: 2887, तिथि: 17 नवम्बर 2014
497. खटहा आम- शब्द संख्या: 3515, तिथि: 22 नवम्बर 2014
498. ढकरपेँच- शब्द संख्या: 3759, तिथि: 30 नवम्बर 2014
499. असहाज- शब्द संख्या: 2865, तिथि: 04 दिसम्बर 2014
500. समरथाइक भूत- शब्द संख्या: 3853, तिथि: 07 दिसम्बर 2014
501. विदाइ- शब्द संख्या: 5131, तिथि: 17 दिसम्बर 2014
502. खलओदार- शब्द संख्या: 735, तिथि: 19 दिसम्बर 2014
503. मनुखदेवा- शब्द संख्या: 1027, तिथि: 22 दिसम्बर 2014
504. उमेद- शब्द संख्या: 3643, तिथि: 31 दिसम्बर 2014
505. गलगर भैंस- शब्द संख्या: 3392, तिथि: 4 जनवरी 2015
506. जाड़ फाटि गेल- शब्द संख्या: 3328, तिथि: 9 जनवरी 2015
507. सुरता- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 15 जनवरी 2015
508. असुध मन- शब्द संख्या: 2353, तिथि: 19 जनवरी 2015
509. धरमूदासक अखड़ाहा- शब्द संख्या: 1410, तिथि: 21 जनवरी 2015
510. ठोररंगू- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 23 जनवरी 2015
511. लगबे ने कएल- शब्द संख्या: 1449, तिथि: 25 जनवरी 2015
512. उकडू समय- शब्द संख्या: 1467, तिथि: 27 जनवरी 2015
513. चास-बास दुनू गेल- शब्द संख्या: 1615, तिथि: 29 जनवरी 2015
514. चौरचनक दही- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 31 जनवरी 2015
515. अपन मन अपन धन- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 3 फरवरी 2015
516. टुटली मरैया- शब्द संख्या: 1951, तिथि: 7 फरवरी 2015
517. हकार- तिथि: 11 फरवरी 2015, शब्द संख्या: 1911
518. दहेजुआ गाए- शब्द संख्या: 1908, तिथि: 15 फरवरी 2015

519. मेटाइत जिनगी- शब्द संख्या: 2129, तिथि: 20 फरवरी 2015
520. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- शब्द संख्या:1996, तिथि: 23 फरवरी 2015
521. लेहाज- शब्द संख्या: 1906, तिथि: 26 फरवरी 2015
522. विचार हेरा गेल- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 1 मार्च 2015
523. ओ दिन- शब्द संख्या: 1782, तिथि: 4 मार्च 2015
524. उरीन- शब्द संख्या: 3235, तिथि: 8 मार्च 2015
526. नहरकन्हा- शब्द संख्या: 1209, तिथि: 11 मार्च 2015
527. बटखौक- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 14 मार्च 2015
528. पसेनाक धरम- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 16 मार्च 2015
529. जेठुआ गरदा- शब्द संख्या: 1103, तिथि: 18 मार्च 2015
530. हँसीएमे उड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 20 मार्च 2015
531. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक- शब्द संख्या: 1234, तिथि: 23 मार्च 2015
532. हमर बाइनिक विचार- शब्द संख्या: 1207, तिथि: 26 मार्च 2015
533. नोकरिहारा- शब्द संख्या: 1146, तिथि: 26 मार्च 2015
534. घसवाहि- शब्द संख्या: 1213, तिथि: 28 मार्च 2015
535. तेतर भाइक कविता- शब्द संख्या: 1319, तिथि: 1 अप्रैल 2015
536. छूआ- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 6 अप्रैल 2015
537. दोसराइत- शब्द संख्या: 1270, तिथि: 9 अप्रैल 2015
538. लछनमान- शब्द संख्या: 1173, तिथि: 13 अप्रैल 2015
539. हमर कोन दोख- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 17 अप्रैल 2015
540. मौसी- शब्द संख्या: 1393, तिथि: 21 अप्रैल 2015
541. नटकिया गति- शब्द संख्या: 1313 24 अप्रैल 2015
542. खाए चाहैए- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 27 अप्रैल 2015
543. मधुमाछी- शब्द संख्या: 1892, तिथि: 07 मई 2015
544. दनगर घास- शब्द संख्या: 2775, तिथि: 13 मई 2015
545. सझिया खेती- शब्द संख्या: 3135, तिथि: 23 मई 2015
546. मुफतिया माल- शब्द संख्या: 3231, तिथि: 29 मई 2015
547. मथाहाथ- शब्द संख्या: 2923, तिथि: 02 जून 2015

548. पहपैट- शब्द संख्या: 1369, तिथि: 05 जून 2015

549. इजोरिया राति- शब्द संख्या: 1512, तिथि: 07 जून 2015

550. तीन जुगिया भाय- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 12 जून 2015

551. अँगनेमे हेरा गेलौं- शब्द संख्या: 605, तिथि: 14 जून 2015

552. डकरा हाल- शब्द संख्या: 2529, तिथि: 17 जून 2015

553. जेतए जे हौउ- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 21 जून 2015

554. गठूलाक गारि- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 25 जून 2015

555. कनी हमरो सुनू- शब्द संख्या: 1983, तिथि: 29 जून 2015

556. गामक बान्ह- शब्द संख्या: 2437, तिथि: 03 जुलाई 2015

557. गुड़ा खुद्दीक रोटी- शब्द संख्या: 2443, तिथि: 08 जुलाई 2015

558. सीरक गाछ- शब्द संख्या: 3071, तिथि: 13 जुलाई 2015

559. हरदीक हरदा- शब्द संख्या: 2924, तिथि: 19 जुलाई 2015

560. जाम- शब्द संख्या: 3355, तिथि: 29 जुलाई 2015

561. गण्डा- शब्द संख्या: 2304, तिथि: 5 अगस्त 2015

562. हाथी आ मूस- शब्द संख्या: 3016, तिथि: 11 अगस्त 2015

563. मुसरी आ घोड़ा- शब्द संख्या: 3625, तिथि: 17 अगस्त 2015

564. फलहार- शब्द संख्या: 2350, तिथि: 25 अगस्त 2015

565. भोरक झगड़ा- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 31 अगस्त 2015

566. क्रियाशील- शब्द संख्या: 3395, तिथि: 13 सितम्बर 2015

567. आइ एम शॉरी- शब्द संख्या: 2927, तिथि: 23 सितम्बर 2015

568. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल- शब्द संख्या: 1025, तिथि: 29 सितम्बर 2015

569. मीनी भ्रष्टाचार- शब्द संख्या: 825, तिथि: 5 अक्टूबर 2015

570. गजपट खेती- शब्द संख्या: 1171, तिथि: 8 अक्टूबर 2015

571. समुद्री विद्या- शब्द संख्या: 787, तिथि: 11 अक्टूबर 2015

572. राकशे रहि गेलौं- शब्द संख्या: 959, तिथि: 12 अक्टूबर 2015

573. निनिया देवीक आराधना- शब्द संख्या: 679, तिथि: 13 अक्टूबर 2015

574. बताहे बताह बनौलक- शब्द संख्या: 574, तिथि: 15 अक्टूबर 2015

575. धोखा- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 17 अक्टूबर 2015

576. खसैत गाछ- शब्द संख्या: 2234, तिथि: 22 अक्टूबर 2015

577. ठूठ गाछ- एक: शब्द संख्या: 1790, तिथि: 25 अक्टुबर 2015

578. ठूठ गाछ- दू: शब्द संख्या: 1203, तिथि: 29 अक्टुबर 2015

579. वैष्णवी भगवती- शब्द संख्या: 2099, तिथि: 01 नवम्बर 2015

580. ठूठ गाछ- तीन: शब्द संख्या: 999, तिथि: 04 नवम्बर 2015

581. ठूठ गाछ- चारि: शब्द संख्या: 1494, तिथि: 07 नवम्बर 2015

582. ठूठ गाछ- पाँच: शब्द संख्या: 2363, तिथि: 12 नवम्बर 2015

583. ठूठ गाछ- छह: शब्द संख्या: 1539, तिथि: 17 नवम्बर 2015

584. ठूठ गाछ- सात: शब्द संख्या: 3232, तिथि: 23 नवम्बर 2015

585. ठूठ गाछ- आठ: शब्द संख्या: 2780, तिथि: 01 दिसम्बर 2015

586. ठूठ गाछ- नअ ‘क’: शब्द संख्या: 2091, तिथि: 06 दिसम्बर 2015

587. ठूठ गाछ- नअ ‘ख’: शब्द संख्या: 1083, तिथि: 08 दिसम्बर 2015

588. ठूठ गाछ- नअ ‘ग’: शब्द संख्या: 1296, तिथि: 10 दिसम्बर 2015

589. ठूठ गाछ, दस- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 16 दिसम्बर 2015

590. प्रीगर शत्रु- शब्द संख्या: 1087, तिथि: 26 दिसम्बर 2015

591. एगच्छा आमक गाछ- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 31 दिसम्बर 2015

592. माघ नहाइले जाएब- शब्द संख्या: 2616, तिथि: 4 जनवरी 2016

593. एक घोंट पानि- शब्द संख्या: 2516, तिथि: 10 जनवरी 2016

594. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले- शब्द: 3371, तिथि: 16 जनवरी 2016

595. माइक वचन- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 21 जनवरी 2016

596. पान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 26 जनवरी 2016

597. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा- शब्द: 1676, तिथि: 01 फरवरी 2016

598. शुभचिन्तक- शब्द संख्या: 3947, तिथि: 08 फरवरी 2016

599. करिछौन लाली- शब्द संख्या: 3000, तिथि: 13 फरवरी 2016

600. मोहरा- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 15 फरवरी 2016

601. अपन पुरखाक डीह- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 17 फरवरी 2016

602. जेना हाथी रही- शब्द संख्या: 1245, तिथि: 20 फरवरी 2016

603. कठफल- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 22 फरवरी 2016

604. गामे उपैट गेल- शब्द संख्या: 1680, तिथि: 25 फरवरी 2016

605. झूठे- शब्द संख्या: 1969, तिथि: 29 फरवरी 2016

606. लाही- शब्द संख्या: 2335, तिथि: 3 मार्च 2016

607. परतीहा खढ़- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 6 मार्च 2016

608. उजगी- शब्द संख्या: 1079, तिथि: 9 मार्च 2016

609. हाथक जिनगी- शब्द संख्या: 983, तिथि: 14 मार्च 2016

610. गाछपर सँ खसला- शब्द संख्या: 2000, तिथि: 20 मार्च 2016

611. केतौ ने रहलौं- शब्द संख्या: 2103, तिथि: 25 मार्च 2016

612. अपने केलहा- शब्द संख्या: 2314, तिथि: 31 मार्च 2016

613. बत्तु- शब्द संख्या: 2244, तिथि: 10 अप्रैल 2016

614. कछमछी- शब्द संख्या: 2322, तिथि: 15 अप्रैल 2016

615. गैत-वीध- शब्द संख्या: 2424, तिथि: 21 अप्रैल 2016

616. दियरबा-भैंसुर- शब्द संख्या: 2089, तिथि: 29 अप्रैल 2016

617. एक दिन- शब्द संख्या: 2063, तिथि: 5 मई 2016

618. दुधियाएल बरखा- शब्द संख्या: 2059, तिथि: 11 मई 2016

619. गलफूलू- शब्द संख्या: 2117, तिथि: 14 मई 2016

620. बिटगरहा- शब्द संख्या: 1992, तिथि: 19 मई 2016

621. आब नइ आगि लगैए- शब्द संख्या: 1962, तिथि: 23 मई 2016

622. कटौज- शब्द संख्या: 1977, तिथि: 28 मई 2016

623. बाल बोध- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 2 जून 2016

624. डभियाएल गाम- शब्द संख्या: 2483, तिथि: 6 जून 2016

625. एकबोलिया दादी- शब्द संख्या: 2189, तिथि: 11 जून 2016

626. मरियाएल मन- शब्द संख्या: 1921, तिथि: 17 जून 2016

627. त्राहि-कृष्ण- शब्द संख्या: 2900, तिथि: 23 जून 2016

628. कन्हा भँट्टा- शब्द संख्या: 2539, तिथि: 30 जून 2016

629. जिगेसा- शब्द संख्या: 3977, तिथि: 8 जुलाई 2016

630. गुलेती दास- शब्द संख्या: 5993, तिथि: 12 अगस्त 2016

631. भोलानाथ बाबा- शब्द संख्या: 2359, तिथि: 17 अगस्त 2016

632. दुरकाल- शब्द संख्या: 3189, तिथि: 22 अगस्त 2016

633. कलंक- शब्द संख्या: 2763, तिथि: 27 अगस्त 2016

634. अड़िकट्टा चोर- शब्द संख्या: 2077, तिथि: 31 अगस्त 2016

635. बगदल गाम- शब्द संख्या: 2405, तिथि: 6 सितम्बर 2016

636. बत्तीसोअना- शब्द संख्या: 890, तिथि: 8 सितम्बर 2016

637. कचहरिया रोग- शब्द संख्या: 1651, तिथि: 12 सितम्बर 2016

638. दिन घटि गेल- शब्द संख्या: 2425, तिथि: 5 अक्टूबर 2016

639. मुड़ियाएल घर- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 11 अक्टूबर 2016

640. गामक सुरता- शब्द संख्या: 2265, तिथि: 19 अक्टूबर 2016

641. खतियाएल घर- शब्द संख्या: 2057, तिथि: 09 नवम्बर 2016

642. बात-कथा सुनौलक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 15 नवम्बर 2016

643. अनका बेर ओंघी- शब्द संख्या: 2233, तिथि: 20 नवम्बर 2016

644. देव उठान- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 24 नवम्बर 2016

645. नमहर घरक चोरि- शब्द संख्या: 2397, तिथि: 28 नवम्बर 2016

646. भोरक सपना- शब्द संख्या: 1013, तिथि: 1 दिसम्बर 2016

647. बालमण्डली- शब्द संख्या: 1288, तिथि: 6 दिसम्बर 2016

648. धोखा केतए भेल- शब्द संख्या: 1053, तिथि: 09 दिसम्बर 2016

649. माघक चाह- शब्द संख्या: 1330, तिथि: 12 दिसम्बर 2016

650. भँसियाएल बाल-बोध- शब्द संख्या: 1306, तिथि: 15 दिसम्बर 2016

651. माघक घूर- शब्द संख्या: 1812, तिथि: 18 दिसम्बर 2016

652. पाही पट्टी- शब्द संख्या: 2370, तिथि: 25 दिसम्बर 2016

653. बीरांगना- शब्द संख्या: 1551, तिथि: 30 दिसम्बर 2016

654. स्मृति शेष- शब्द संख्या: 1941, तिथि: 6 जनवरी 2017

655. मनकेँ फुसलबै छी- शब्द संख्या: 1023, तिथि: 10 जनवरी 2017

656. चहकल विचार- शब्द संख्या: 4173, तिथि: 20 जनवरी 2017

657. विदाइ-दैछना- शब्द संख्या: 2312, तिथि: 25 जनवरी 2017

658. बीरांगना: 2- शब्द संख्या: 1992, 29 जनवरी 2017

659. पकिया चेला- शब्द संख्या: 1976, तिथि: 06 फरवरी 2017

660. कान फुटल कप- शब्द संख्या: 1595, तिथि: 09 फरवरी 2017

661. वर्थ डे- शब्द संख्या: 2535, तिथि: 16 फरवरी 2017

662. जानक मोल- शब्द संख्या: 2782, तिथि: 23 फरवरी 2017

663. गामक कटान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 01 मार्च 2017

664. कर्ज- शब्द संख्या: 3252, तिथि: 07 मार्च 2017

665. बेटीक लिलसा- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 11 मार्च 2017

666. अपन गारि अपन दुआरि- शब्द संख्या: 2546, तिथि: 17 मार्च 2017

667. बेटीक पैरुख- शब्द संख्या: 2735, तिथि: 26 मार्च 2017

668. बेटीक कुभेला- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 31 मार्च 2017

669. अपन रोपल गाछी भुताहि- शब्द संख्या: 2619, तिथि: 7 अप्रैल 2017

670. बलधकेल कटौज- शब्द संख्या: 2100, तिथि: 11 अप्रैल 2017

671. जारैनक दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 17 अप्रैल 2017

672. पढ़ल सुगा बौक- शब्द संख्या: 3775, तिथि: 26 अप्रैल 2017

673. हरवाहि- शब्द संख्या: 2784, तिथि: मजदूर दिवस (01 मई) 2017

674. क्रान्तियोग- शब्द संख्या: 3432, तिथि: 13 मई 2017

675. उचितवक्ता- शब्द संख्या: 3461, तिथि: 19 मई 2017

676. खेतक बँटवारा- शब्द संख्या: 3607, तिथि: 24 मई 2017

677. विघटन- शब्द संख्या: 3419, तिथि: 31 मई 2017

678. टुटल मनक जुटान- शब्द संख्या: 3456, तिथि: 06 जून 2017

679. बाबा बेलेश्वरनाथ- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 11 जून 2017

680. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 23 जून 2017

681. मर्माहत- शब्द संख्या: 2509, तिथि: 29 जून 2017

682. गुणहीन- शब्द संख्या: 3138, तिथि: 6 जुलाई 2017

683. समझौता- शब्द संख्या: 2280, तिथि: 13 जुलाई 2017

684. जेकर चुन तेकर पुन- शब्द संख्या: 2696, तिथि: 19 जुलाई 2017

685. त्रिकालदर्शी- शब्द संख्या: 2841, तिथि: 25 जुलाई 2017

686. नमहर फेरा- शब्द संख्या: 2902, तिथि: 29 जुलाई 2017

687. आशापर पानि पड़ल- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 02 अगस्त 2017

688. कोढ़िया सरधुआ- शब्द संख्या: 2279, तिथि: 06 अगस्त 2017

689. बेटपन- शब्द संख्या: 3054, तिथि: 11 अगस्त 2017

690. छातीक हार- शब्द संख्या: 2291, तिथि: 16 अगस्त 2017

691. उमेरक लेहाज- शब्द संख्या: 2986, तिथि: 22 अगस्त 2017

692. पैंतीस साल पछुआ गेलौं- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 05 सितम्बर 2017

693. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- एक: श. सं.: 1630, तिथि: 14 सितम्बर 2017

694. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दू: श. सं.: 2878, 18 सितम्बर 2017

695. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- तीन: श. सं.: 2318, 22 सितम्बर 2017

696. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- चारि: श. सं.: 2239, 26 सितम्बर 2017

697. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- पाँच: श. सं.: 1903, 29 सितम्बर 2017

698. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- छह: श. सं.: 2450, 03 अक्टुबर 2017

699. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- सात: श. सं.: 2040, 07 अक्टुबर 2017

700. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- आठ: श. सं.: 2403, 12 अक्टुबर 2017

701. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- नअ: श. सं.: 5046, 19 अक्टुबर 2017

702. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दस: श. सं.: 794, 19 अक्टुबर 2017

703. पुरान साड़ी- शब्द संख्या: शब्द संख्या: 2453, तिथि: 24 अक्टूबर 2017

704. गाम बिसैर गेल- शब्द संख्या: 2482, तिथि: 28 अक्टूबर 2017

705. ऐँठ साड़ी- शब्द संख्या: 2925, तिथि: 01 नवम्बर 2017

706. लहसन- एक: शब्द संख्या: 3169, तिथि: 10 नवम्बर 2017

707. किछु ने फुरैए- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 12 नवम्बर 2017

708. लहसन- दू: शब्द संख्या: 2031, तिथि: 17 नवम्बर 2017

709. महिरम- शब्द संख्या: 1984, तिथि: 20 नवम्बर 2017

710. लहसन- तीन: शब्द संख्या: 2592, तिथि: 25 नवम्बर 2017

711. बेर परहक भदवा- शब्द संख्या: 2726, तिथि: 29 नवम्बर 2017

712. लहसन- चारि: शब्द संख्या: 2562, तिथि: 4 दिसम्बर 2017

713. सड़क-कातक खेत- शब्द संख्या: 2722, तिथि: 10 दिसम्बर 2017

714. दोहरी हाक- शब्द संख्या: 2700, तिथि: 21 दिसम्बर 2017

715. लहसन- पाँच: शब्द संख्या: 4691, तिथि: 30 दिसम्बर 2017

716. पाइक इज्जत- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 05 जनवरी 2018

717. सेहन्ता- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 11 जनवरी 2018

718. राक्षसक झड़- शब्द संख्या: 1649, तिथि: 15 जनवरी 2018

719. बेरपर- शब्द संख्या: 2585, तिथि: 19 जनवरी 2018

720. केकरा-ले केलौं- शब्द संख्या: 2649, तिथि: 23 जनवरी 2018

721. स्वाभिमानी जिनगी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 28 जनवरी 2018

722. बाबाक बाग-बगिया- शब्द संख्या: 3089, तिथि: 3 फरवरी 2018

723. अब-तब- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 7 फरवरी 2018

724. अगिलह- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 11 फरवरी 2018

725. लहसन- छह: शब्द संख्या: 2240, तिथि: 15 फरवरी 2018

726. लहसन- सात: शब्द संख्या: 1026, तिथि: 18 फरवरी 2018

727. लहसन- आठ: शब्द संख्या: 2220, तिथि: 22 फरवरी 2018

728. लहसन- नअ: शब्द संख्या: 2015, तिथि: 25 फरवरी 2018

729. कुकुरपन- शब्द संख्या: 2229, तिथि: 28 फरवरी 2018

730. हेराएल जिनगी- शब्द संख्या: 3107, तिथि: 5 मार्च 2018

731. आशापर पानि फेर गेल- शब्द संख्या: 2447, तिथि: 9 मार्च 2018

732. देखल दिन- शब्द संख्या: 2592, तिथि: 27 मार्च 2018

733. इज्जत उतैर गेल- शब्द संख्या: 1905, तिथि: 30 मार्च 2018

734. संकट- शब्द संख्या: 2595, तिथि: 4 अप्रैल 2018

735. एकतीस मार्च- शब्द संख्या: 2814, तिथि: 10 अप्रैल 2018

736. गेल माघ उनतीस दिन बॉकी- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 15 अप्रैल 2018

737. बापक चलैत- शब्द संख्या: 2606, तिथि: 20 अप्रैल 2018

738. बेटाक चलैत- शब्द संख्या: 2889, तिथि: 25 अप्रैल 2018

739. प्रवल इच्छा- शब्द संख्या: 2301, तिथि: 30 अप्रैल 2018

740. पंगु- एक: शब्द संख्या: 6478, तिथि: 11 मई 2018

741. पंगु- दू: शब्द संख्या: 2156, तिथि: 15 मई 2018

742. पंगु- तीन: शब्द संख्या: 2092, तिथि: 21 मई 2018

743. पंगु- चारि: शब्द संख्या: 2177, तिथि: 24 मई 2018

744. पंगु- पाँच: शब्द संख्या: 2492, तिथि: 27 मई 2018

745. पंगु- छह: शब्द संख्या: 1853, तिथि: 30 मई 2018

746. पंगु- सात: शब्द संख्या: 911, तिथि: 02 जून 2018

747. पंगु- आठ: शब्द संख्या: 1945, तिथि: 4 जून 2018

748. पंगु- नअ: शब्द संख्या: 935, तिथि: 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक: शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू: शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन: शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि: शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच: शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह: शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात: शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भS गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018

786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018

787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018

788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018

789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018

790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018

791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019

792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019

793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019

794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019

796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019

797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019

798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019

799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019
801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019
802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019
803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019
804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019
805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019
806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019
807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019
808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019
809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019
810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019
811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019
812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019
813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019
814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019
815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019
816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019
817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019
818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019
819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019
820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019
821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019
822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019
823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019
824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019
825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019
826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019
827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019

848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019

849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019

850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019

851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019

852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019

853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019

854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019

855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019

856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019

857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019

858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019

859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019

860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019

861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019

862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019

863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019

864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019

865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019

866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019

867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019

868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019

869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019

870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019

871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020
885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020
886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020
887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020
888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020
889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020
890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020
891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020
892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020
893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020
894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020
895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020
896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020
897. सुचिता- एक: शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020
898. सुचिता- दू: शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020
899. सुचिता- तीन: शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020
900. सुचिता- चारि: शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020
901. सुचिता- पाँच: शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020
902. सुचिता- छह: शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020
903. सुचिता- सात: शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020
904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020
905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020
906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020
907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020
908. सुदृढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020
908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020
909. गामक सूरत बदैल गेल: शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020
910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020

912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020

913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020

914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020

915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020

916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020

917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020

918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020

919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020

920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020

921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020

922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020

923. नवका लोक: शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक: शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू: शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन: शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि: शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच: शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात: शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ: शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ: शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस: शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021
940. मोड़पर- एगारह: शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021
941. संकल्प- एक: शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021
942. संकल्प- दू: शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021
943. संकल्प- तीन: शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021
944. संकल्प- चारि: शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021
945. संकल्प- पाँच: शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021
946. संकल्प- छह: शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021
947. संकल्प- सात: शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021
948. संकल्प- आठ: शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021
949. संकल्प- नअ: शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021
950. संकल्प- दस: शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021
951. अन्तिम क्षण- एक: शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021
952. अन्तिम क्षण- दू: शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021
953. अन्तिम क्षण- तीन: शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021
954. अन्तिम क्षण- चारि: शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021
955. अन्तिम क्षण- पाँच: शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021
956. परिवारे गजपटा गेल: शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021
957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021
958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021
959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021
960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021
961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021
962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021
963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021
964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021
965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021
966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक: शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021

968. कुण्ठा- दू: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021

969. कुण्ठा- तीन: शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021

970. कुण्ठा- चारि: शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021

971. कुण्ठा- पाँच: शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

972. कुण्ठा- छह: शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021

973. कुण्ठा- सात: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

974. कुण्ठा- आठ: शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021

975. कुण्ठा- नअ: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस: शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021

977. सुद्दढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021

978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021

979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021

980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021

981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021

982. टुटि कS खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021

983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति.: 03 जनवरी 2022

984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022

985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022

986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022

988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022

989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022

990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022

991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022

992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022

993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022

994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022
996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022
997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022
998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022
999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022
1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022
1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022
1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022
1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022
1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022
995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022
1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022
1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022
1008. इज्जत लऽ लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022
1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022
1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022
1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022
1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022
1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022
1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022
1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022
1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022
1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022
1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022
1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022
1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022
1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022
1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022
1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022
1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022
1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022
1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022
1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022
1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022
1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022
1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1033. कनियेँ-मनियेँ पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022
1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022
1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022
1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022
1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022
1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022
1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022
1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022
1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022
1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022
1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022
1044. जिनगीकेँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022
1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022
1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022
1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022
1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022
1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022
1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी: शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022

1052. पुत्र परीक्षा: शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022

1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी: 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी: 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी: 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी: 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी: 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी: 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी: 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी: 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी: 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी: 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023
1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023
1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023
1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023
1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023
1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023
1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023
1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023
1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023
1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023
1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023
1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023
1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023
1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023
1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023
1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023
1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023
1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023
1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023
1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023
1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023
1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023
1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023
1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023
1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023
1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023
1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023
1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023

1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023

1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023

1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि: 10 अगस्त 2023

1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि: 30 अगस्त 2023

1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि: 02 सितम्बर 2023

1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023

1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023

1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023

1115. मुहाँ-ठुठ्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023

1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023

1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023

1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023

1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023

1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023

1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023

1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023

1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023

1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023

1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023

1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023

1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

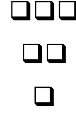
1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- शब्द संख्या: 1735, तिथि: 07 दिसम्बर 2023

1140. उकड़ू समयमे सुकड़ू काज: जारी...



Notes

....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....